जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

"NAAC द्वारा 'A' Grade"

प्रवेश एवं कैरियर मेला/काउंसिलिंग – 2015

(दिनांक 23–24 जून, 2015 स्थान– जिमनेशियम हॉल, समय– 11–03 बजे तक)

जीवाजी विश्वविद्यालय को अंचल में स्थापित हुये अपने स्वर्णिम 51 वर्ष सफलता के साथ पूरे कर चुके है। विश्वविद्यालय में 1971 से अध्ययनशालाओं की शुरूआत हुई थी तब अध्ययनशालाओं की संख्या मात्र 05 थी। अब ये संख्या बढ़कर 51 हो गई है एवं छात्र संख्या 4000 के करीब है अर्थात प्रगति के पथ पर हम दिन दूने रात चौगने वृद्धि कर रहे हैं।

जनवरी 2015 में जीवाजी विश्वविद्यालय का नैक द्वारा एक्रेडेशन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के चऊमुखी विकास को देखते हुये **'A' Grade"** मिला है तथा अंकसूची में म.प्र. के समस्त विश्वविद्यालयों से अधिक अंक प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया हैं। जीवाजी विश्वविद्यालय ने प्रगति ने नित नये आयाम स्थापित किये हैं।

विश्वविद्यालय प्राणी विज्ञान/रसायन/वनस्पति विज्ञान अध्ययनशाला को फिस्ट एवं सैप के तहत यू.जी.सी. एवं डी.एस.टी. से ग्रांट मिली है। न्यूरोसाइंस/मॉलीक्यूलर ह्यूमन जेनेटिक्स/बायोटेक्नोलॉजी को डी.बी.टी. से करोड़ों रूपये की ग्रांट मिली है। आज करीब–करीब हर प्रोफेसर के पास विभिन्न संस्थानों के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। यू. जी.सी. इमर्जिंग एरिया के तहत मिली रू0 60 लाख की ग्रांट से इलेक्ट्रोनिक्स अध्ययनशाला का निर्माण हुआ है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में शोध कार्य में तेजी से विस्तार हो रहा है। कैम्पस में शोध छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अब रूसा के आने से इनमें और तेजी से विस्तार होगा। इस समय सभी अध्ययनशालाओं से विश्वस्तरीय जरनलों में शोध पत्रों का प्रकाशन हो रहा है, इन शोध पत्रिकाओं के इम्पेक्ट फेक्टर 05 से अधिक है। जीवाजी विश्वविद्यालय ने भी शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन शुरू कर दिया है।

जीवाजी विश्वविद्यालय की सेन्ट्रल लाईब्रेरी में इनफिल्बनेट के द्वारा 40,000 ऑनलाइन जरनल्स आ रहे हैं और ये सभी पूरे कैम्पस नेटवर्किंग द्वारा सभी छात्रों/शिक्षकों को उपलब्ध है। आजकल पूरे कैम्पस को वाई–फाई करने की तैयारी चल रही है, छात्र लॉन में बैठकर लैपटॉप पर शोध कार्य देख सकेगें।

जीवाजी विश्वविद्यालय प्रवेश का अग्रणी विश्वविद्यालय बन चुका है। एडमीशन हेतु ऑनलाईन सुविधायें एम.पी. ऑनलाईन के जरिये मिली है तथा छात्र सभी फार्म ऑनलाइन भरते हैं। छात्रों को अंकसूची भी सेलनम्बर डालने पर उपलब्ध हो जाती है। ग्वालियर चम्बल संभाग के किसी भी कोने से छात्रों को यह सुविधा मिल जाती है।

इस बार पेमेन्ट सीट की संख्या कम कर दी गई है तथा छात्रों की सुविधा हेतु फ्री सीटों की संख्या में वृद्धि कर दी है। सभी छात्रों का सामूहिक बीमा भी विश्वविद्यालय द्वारा कराया गया है।

जीवाजी विश्वविद्यालय सन् 1990 से सेमेस्टर सिस्टम का संचालन कर रहा है और चॉइस बेस्ड सिस्टम की तैयारी है। इस सिस्टम के द्वारा छात्रों को मनवांछित पाठ्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा। शीघ्र ही जीवाजी विश्वविद्यालय ने अपने प्राध्यापकों के वीडियो भाषणों का अंचल के सभी महाविद्यालयों में प्रसारण करने की योजना बनाई है।

विश्वविद्यालय परिसर में एक डिस्पेंसरी की सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कैम्पस में 04 हॉस्टल हैं इन चारों हॉस्टलों में छात्र/छात्राओं हेतु रहने/भोजन की सुविधायें हैं। कैम्पस में 02 कैन्टीन हैं। कैम्पस में बैंक/एटीएम एवं पोस्ट ऑफिस भी मौजूद है, छात्रों का कोई ड्रेस कोड नहीं है तथा रैगिंग मुक्त कैम्पस है। हमारे छात्र पूरे हिन्दुस्तन में उच्च स्थानों पर हैं।

अन्य सुविधायें :

1. विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओ के रिजल्ट 90 प्रतिशत से अधिक होते हैं।
2. विश्वविद्यालय में प्लेसमेन्ट सेल द्वारा छात्रों को विभिन्न संस्थानों में जॉब दिलाया जाता है।
3. चौथे सेमेस्टर में छात्र ट्रेनिंग के लिये विश्वविद्यालय से बाहर जाते हैं तथा विभिन्न कंपनियों में ट्रेनिंग करते हैं तथा अच्छा कार्य करने पर उन्हें वहीं पर जॉब मिल जाती है।
4. जीवाजी विश्वविद्यालय में फीस अंचल में स्थापित अन्य विश्वविद्यालयों से न्यूनतम है तथा अन्य कोई छुपी हुई फीस नहीं है।
5. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के केन्द्र में स्थापित है अतः किसी भी प्रकार की बस आदि की सुविधा की आवश्यकता नहीं है। छात्र अपने वाहन/टेम्पों आदि से आ जा सकते हैं।
6. छात्रों को रेल द्वारा अप/डाउन (MST की सुविधा) करने की भी सुविधा है। डबरा/दतिया/ झांसी/मुरैना/धौलपुर से छात्र प्रतिदिन आते–जाते हैं।
7. विश्वविद्यालय द्वारा कई राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों से अनुबंध किया है जिससे शोध छात्रों को विश्वस्तरीय सुविधायें मिल रही हैं।
8. विश्वविद्यालय के पास अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं एवं एक सुसज्जित जिम उपलब्ध है।

.....